D ●●●●
वर्ष 24 । अंक 130 । पृष्ठ : 14
मूल्य : छह रुपये
6 राज्य • 2 केंद्रशासित प्रदेश • 21 संस्करण

अमर उजाला

देहरादून
रानियार, 4 जुलाई 2020

amarujala.com

बड़ा फैसला बार्सिलोना को बाय-बाय कह सकते हैं फुटबॉलर मेसी...स्पोर्ट्स

उत्तराखंड

लाल चावल का उत्पादन बढ़ाने में जुटा प्रशासन

उत्तरकाशी। कोरोना महामारी के दौर में शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता की महत्ता सामने आने के साथ ही पौष्टिक खाद्य पदार्थों की डिमांड बढ़ती जा रही है। इसे देखते हुए डीएम डा.आशीष चौहान ने संबंधित विभागों को जिले में लाल चावल की पैदावार बढ़ाने और इसमें किसानों को आ रही दिक्कतों का समाधान करने के निर्देश दिए हैं।

अपने अनूठे स्वाद और पौष्टिक गुणों के चलते जनपद में पैदा होने वाले लाल चावल की डिमांड बढ़ती जा रही है। अब कोरोना काल में तो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले पौष्टिक खाद्य पदार्थों का महत्व लोगों की समझ में आने लगा है। डीएम डा.आशीष चौहान ने संबंधित विभागों के साथ बैठक कर जिले में लाल चावल की पैदावार बढ़ाने पर चर्चा की। बैठक में कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी डा. पंकज नौटियाल ने बताया कि लाल चावल में सामान्य चावल के मुकाबले कैल्शियम,

कोरोना काल में पौष्टिक खाद्य पदार्थों की बढ़ रही डिमांड

मैग्नीशियम, जिंक, फाइबर, फेनोलिक और एंटी ऑक्सीडेंट तत्वों की मात्रा काफी अधिक है। यह हृदय एवं त्वचा संबंधी रोगों के साथ ही मधुमेह आदि बीमारियों से लड़ने में सहायक है। उन्होंने बताया कि जिले में लाल चावल की खेती करने वाले कृषक समूहों को चिन्हित कर इसकी पौध किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम के तहत पंजीकरण के लिए भेजा गया है। डीएम ने उत्पादन क्षेत्र बढ़ाने, कृषि में मशीनीकरण को बढ़ावा देने और सिंचाई के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए। इस मौके पर मुख्य उद्यान अधिकारी प्रभाकर सिंह, कृषि अधिकारी गोपाल मदूड़ा, कृषि विज्ञान केंद्र के डा.वरुण सुप्याल तथा अनिल कुमार, मनोज प्रसाद, केशव प्रसाद, प्रदीप आदि किसान भी मौजूद रहे।